तर्ज--तेरे प्यार का आसरा चाहता हूं

निसबत का मेरी जो सिलसिला है
पिया तेरी मेहर से हमको मिला है
बहुत ही कठिन है माया की राहें
धनी तुम बचा लो यह मेरी इल्तजा है

1--अजब तुमने हमको दिखाया तमाशा,
जहां सुध तुमारी ना इश्क जरा सा
दिल जो रूहों के बदले हुए है,
धनी तुम संभालो हमारी सदा है

2--दिल में हमारे है प्यार तेरा,
तुमारे सिवा और कोई ना मेरा
एक हो तुम्ही जिसको दिल में बसाया,
फिर क्यों ना रूहें तुम पे फिदा हैं

3--धनी तुम वही हो हम भी वही है,
फरामोसी कैसी है ये दिल वो नही है
परदा हटा लो अब तो पिया तुम,
करेगें वही जो तुम्हारी रजा है

Nijanand App